साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 23 | जौनपुर, सोमवार, 09 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बजरंग पुनिया को जान से मारने की मिली धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। धमकी भरा मैसेज मिलते ही बजरंग पुनिया ने सोनीपत के बहालगढ़ थाना में शिकायत दर्द करा दी है और पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बजरंग की सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस का कहना है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को विनेश फोगाट के साथ कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद पार्टी ने उन्हें अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। बता दें, 4 सितंबर को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद दोनों पहलवानों ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया था। पुनिया ने रविवार को कांग्रेस में शामिल होने पर हो रही राजनीति पर कहा, श्मैं एक एथलीट और किसान का बेटा हूं, पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, मैं किसानों की चिंताओं को बेहतर तरीके से उठा सकता हूं। बृजभूषण और भाजपा को दिक्कत है (कि हम कांग्रेस में शामिल हो गए)। अगर हम भाजपा में शामिल होते तो हम देशभक्त बन जाते, लेकिन कांग्रेस में शामिल होने के कारण वे हमें देशद्रोही कह रहे हैं।

लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में इमारत गिरी, 8 की मौत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में इमारत ढहने की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया के जरिए दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लखनऊ हादसे पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, लखनऊ में बिल्डिंग गिरने की दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। पीएम मोदी ने लखनऊ हादसे पर दुख जाहिर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक इमारत दुर्घटना में लोगों की मौत दुखद है। मैं उन लोगों के साथ प्रार्थना करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

जनता की समस्याओं का कराएं त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण – योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की समस्याओं का पारदर्शी और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। यह ध्यान रहे कि किसी के भी साथ अन्याय न होने पाए। जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। ध्यान से उनकी बात सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने समस्या लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सबकी समस्या दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दो निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

अनुच्छेद 370 इतिहास बन चुका है, वापस नहीं आएगा – शाह

जम्मू, एजेंसी। भाजपा के चुनावी घोषणापत्र के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के राजौरी के पास एक नया पर्यटन केंद्र बनेगा और घाटी में 5 लाख नौकरियां पैदा की जाएंगी। घोषणापत्र में कहा गया है कि जम्मू में पर्यटन केंद्र भी बनाए जाएंगे और भाजपा कश्मीरी पंडितों सहित विस्थापित समुदायों का कल्याण सुनिश्चित करेगी। घोषणापत्र में कहा गया है, ष्हम कश्मीरी पंडित समुदाय की सुरक्षित वापसी और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए टीका लाल टपलू विस्थापित समाज पुर्नवास योजना (टीएलटी वीपीवाई) शुरू करेंगे। अमित शाह ने यह भी कहा कि भाजपा जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद का पूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करेगी और आतंकवाद के उद्भव में शामिल लोगों की जिम्मेदारी तय करने के लिए एक श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। घोषणापत्र जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश 10 वर्षों में अधिकतम आतंकवाद से अधिकतम पर्यटनष की ओर बढ़ गया है। कश्मीर घाटी में भाजपा के काम की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी ने आतंकवाद के पारिस्थितिकी तंत्र को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा, 2014 तक जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद जारी रहा और विभिन्न राज्य और गैर–राज्य अभिनेताओं ने क्षेत्र को अस्थिर करना जारी रखा। इसके अलावा, अन्य सभी सरकारों ने जम्मू–कश्मीर की स्थिति से निपटने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति की। शाह ने कहा, जम्मू–कश्मीर 1947 से ही हमारे दिल के बहुत करीब रहा है। जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। शाह ने कहा कि भाजपा का ध्यान घाटी में शांति बहाल करने पर रहेगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि अन्य राजनीतिक दल तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त हैं और अलगाववाद के लिए जिम्मेदार हैं। शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा जारी किए गए चुनावी घोषणापत्र पर भी हमला किया, कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला किया और कहा, मुझे आश्चर्य है कि कोई राजनीतिक दल इस तरह का घोषणापत्र कैसे जारी कर सकता है और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी ने बिना शर्त इसका समर्थन कैसे किया? मैं राहुल गांधी से आग्रह करता हूं कि वे स्पष्ट करें कि क्या वह और कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस के एजेंडे का समर्थन करते हैं। अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद पहली बार जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव होंगे।

पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो हम बातचीत के लिए तैयार – रक्षा मंत्री

जम्मू, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। रामबन जिले के बनिहाल विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को लोगों की परेशानी दूर करने और क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हटाया गया। सिंह ने रैली में कहा, ''पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे। कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? क्योंकि मैं इस वास्तविकता को जानता हूं कि आप अपने मित्र को बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी को नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद को रोकना होगा। जब पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देगा, तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करेगा। जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद की चपेट में आने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूं और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे अधिक मुसलमानों की जान गई। इससे पहले, रक्षा मंत्री ने भाजपा उम्मीदवार राकेश सिंह ठाकुर के समर्थन में निकटवर्ती रामबन में एक चुनावी रैली में कहा कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में 40,000 से अधिक लोगों की जान चली गई। भाजपा के भट का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री विकार रसूल वानी से है, जो बनिहाल सीट से जीत की हैट्रिक बनाने की कोशिश में हैं। भट को नेशनल कॉन्फ्रेंस के सज्जाद शाहीन और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के इम्तियाज शान से भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

एनआरसी के बिना असम में नहीं बनेगा आधार कार्ड – सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

असम, एजेंसी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से अवैध आव्रजन की पहचान और रोकथाम को तेज करने के लिए उपायों के एक नए सेट की घोषणा की। सरमा ने आधार कार्ड जारी करने पर चिंता व्यक्त की, उन्होंने कहा कि धुबरी जिले में जनसंख्या की तुलना में अधिक आधार कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को आधार कार्ड प्राप्त हुए हैं। सरमा ने आधार कार्ड जारी करने के संबंध में चिंताओं को उजागर करते हुए कहा कि धुबरी जिले में आबादी से अधिक लोगों को आधार कार्ड जारी किए गए हैं। यह संभव है कि कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को आधार कार्ड प्राप्त हुए हों। इसलिए, असम सरकार अगले 10 दिनों में एक अधिसूचना जारी करेगी। यह बताते हुए कि यदि कोई एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उन्हें नई प्रक्रिया में आधार कार्ड नहीं मिलेगा। यह अधिसूचना 1 अक्टूबर से चाय बागान क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, अन्य जिलों में वयस्कों को एक सख्त प्रक्रिया से गुजरना होगा। सीएम सरमा ने कहा कि एनआरसी अपडेट के बाद विदेशियों का पता लगाने की प्रक्रिया लगभग रुक गई थी। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में, हमने 20–30 बांग्लादेशी नागरिकों को या तो गिरफ्तार किया है या वापस धकेल दिया है।

भारत जोड़ो यात्रा बाद देश के हर कोने में सुनाई दे प्रेम की आवाज - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगांठ पर एक दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया और कहा कि इस यात्रा ने उन्हें मौन की सुंदरता सिखाई है। एक्स को संबोधित करते हुए गांधी ने लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की सुंदरता सिखाई। उत्साही भीड़ और नारों के बीच, मैंने शोर को शांत करने और वास्तव में सुनने के लिए अपने बगल वाले व्यक्ति पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने की शक्ति का पता लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि इन दो वर्षों में, उन्होंने विविध पृष्ठभूमि के हजारों भारतीयों की बात सुनी है और प्रत्येक आवाज ने ज्ञान दिया है, उन्हें कुछ नया सिखाया है और प्रत्येक व्यक्ति ने प्यारी भारत माता का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने लिखा कि यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय स्वाभाविक रूप से प्यार करने वाले लोग हैं। जब मैंने यह यात्रा शुरू की थी तो मैंने कहा था कि प्रेम नफरत पर विजय प्राप्त करेगा और आशा भय पर विजय प्राप्त करेगी, आज हमारा मिशन एक ही है कि भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज हमारे प्यारे देश के हर कोने में सुनाई दे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा एक ऐतिहासिक जन–आंदोलन है, जो समाज को एकजुट करने का पर्याय बन गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी व हमारे भारत जोड़ो यात्रियों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल जो दूरी तय की, उससे करोड़ों लोगों के दिलों में प्रेमभाव, आपसी सौहार्द और बंधुत्व की अभूतपूर्व जन–चेतना जागृत हुई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा की दूसरी वर्षगाँठ के अवसर पर मैं देशवासियों से केवल इतनी ही अपील करता हूँ कि संविधान और लोकतंत्र को संजोए रखने का संघर्ष जारी रखें। खड़गे ने आगे लिखा कि आर्थिक असमानताओं, महँगाई, बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, संविधान के विध्वंस, सत्ता के केंद्रीकरण के वास्तविक मुद्दों पर हमारा संघर्ष जारी है। उन्होंने कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के हमारे संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखने का संकल्प और मजबूत होना चाहिए। नफरत और विभाजन के एजेंडे को हम कामयाब नहीं होने देंगे। मोहब्बत और इंसानियत की जीत निश्चित है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने लिखा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुई भारत जोड़ो यात्रा के शुरुआत की आज दूसरी वर्षगांठ है। यह यात्रा सही मायने में एक परिवर्तनकारी यात्रा थी।

भाजपा को वोट से जवाब देगी प्रदेश की जनता – महबूबा मुफ्ती

अनंतनाग, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को चुनाव अभियान के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर की जनता अब नेशनल कॉन्फ्रेंस से निराश और परेशान हो चुकी है। उन्होंने अनंतनाग में एक रैली के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा, ''मुफ्ती मोहम्मद सईद के विजन को जनता समझ चुकी है। पीडीपी की कार्यशैली से लोग वाकिफ हैं, हम जिस तेजी में काम करते हैं, वैसा काम नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने 40 साल के कार्यकाल के दौरान भी नहीं किया है। पीडीपी ने साउथ कश्मीर में यूनिवर्सिटी, कॉलेज, एम्स और सड़कें बनाईं। महबूबा मुफ्ती ने दावा करते हुए कहा, ''जम्मू–कश्मीर में आज वोट की जो इज्जत है, वो पीडीपी की वजह से है। मुफ्ती मोहम्मद सईद ने अगर पार्टी का गठन नहीं किया होता तो लोग आज भी नेशनल कॉन्फ्रेंस, यहां तानाशाही के माहौल में काम कर रही होती। प्रदेश की जनता अब नेशनल कॉन्फ्रेंस से निराश और परेशान हो चुकी है। उन्होंने भाजपा का जिक्र करते हुए कहा, ''भाजपा को लेकर लोगों में गुस्सा है, जो उन्होंने पांच साल पहले किया है, इसके कारण लोग उनकी नीतियों से नाराज हैं। इसलिए यहां की जनता वोट के माध्यम से अपना जवाब देगी। आपने रविंद्र रैना का बयान सुना होगा, जिस समय जम्मू–कश्मीर में तीन महीने के लिए भाजपा के साथ यहां सरकार बनी थी।

भाजपा एकमात्र पार्टी जिसमें साधारण परिवार से आने वाले लोग भी प्रधानमंत्री बन सकते हैं - नड्डा

पटना, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अन्य सभी पार्टियां वंशवाद की राजनीति तक ही सीमित हैं, जबकि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें साधारण परिवारों से आने वाले लोग भी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा के ऑनलाइन सदस्यता अभियान समारोह में यहां नड्डा ने कहा कि भाजपा में सभी को समान अधिकार और अवसर प्राप्त हैं। उन्होंने कहा, ''बाकी सभी राजनीतिक पार्टियां सिर्फ वंशवाद की राजनीति तक ही सीमित हैं... या कुछ पार्टियां किसी खास समुदाय का प्रतिनिधित्व करती हैं... भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें साधारण परिवार से आने वाले लोग भी देश के प्रधानमंत्री बनते हैं, जैसे कि नरेंद्र मोदी जी। नड्डा ने कहा, ''हमारी पार्टी में सभी को समान अधिकार और अवसर प्राप्त हैं। दूसरी पार्टियों में आप तभी अध्यक्ष बन सकते हैं, जब आप किसी खास परिवार, खास जाति आदि से हों। लेकिन, भाजपा वह पार्टी है, जो पूरे समाज का प्रतिनिधित्व करती है।'' हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए पार्टी के सदस्यता अभियान पर नड्डा ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष... सभी को हर छह साल में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराना पड़ता है। किसी अन्य पार्टी में ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि अन्य सभी दल या तो किसी विशेष जाति या किसी विशेष समुदाय या किसी परिवार के दल हैं। नड्डा ने कहा, भाजपा समाज के सभी वर्गों के लोगों की पार्टी है। हम गांव, गरीब, किसान, दलित, आदिवासी, युवा, कमजोर और समाज के हाशिए पर पड़े लोगों की पार्टी हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक गरीबों के लिए लगभग चार करोड़ घर बनाए जा चुके हैं, जिनमें से लगभग 1.77 करोड़ घर हमारे दलित और आदिवासी भाइयों को वितरित किए जा चुके हैं।

दुनिया अमेरिका और चीन के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रही – जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि दुनिया अमेरिका और चीन के बीच कई क्षेत्रों में और कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत विशिष्ट एजेंडे पर समान विचारधारा वाले साझेदारों के साथ काम करने को तैयार है और 'क्वाड' समूह में भारत की भूमिका इस तरह के दृष्टिकोण का एक उदाहरण है। 'एफपीसीआई ग्लोबल टाउन हॉल' में वर्चुअल संबोधन के दौरान जयशंकर ने प्रमुख भू–राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया कई क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच और ''कड़ी प्रतिस्पर्धा'' देख रही है।

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की सदस्यता वाला 'क्वाड' एक प्रमुख गठबंधन के रूप में उभरा है, जो क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, खुला और नियम–आधारित हिंद–प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। पिछले कुछ दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े प्रमुख घटनाक्रम के संदर्भ में, विदेश मंत्री ने कहा कि कई बड़ी शक्तियां अब कुछ नहीं करके भी संतुष्ट हैं जबकि नई शक्तियां आगे बढ़ने में अधिक संकोच कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''कई स्थितियों में, क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण शक्तियों को अपनी समस्याएं खुद ही सुलझाने के लिए छोड़ दिया जाता है। इसके अलावा, हम कई क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच और कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रहे हैं।

संपादकीय

राजनीति में लौटने की उम्मीद

जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्यधारा की राजनीति में लौटने के लिए बेताब हैं। पूर्ववर्ती राज्य में आखिरकार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, सिन्हा राजनीतिक गतिविधियों में लौटने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन बिना किसी बड़ी भूमिका के। पूर्वी उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के नेता ने केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख के रूप में चार साल पूरे कर लिए हैं। उनके समर्थकों के अनुसार, कश्मीर में तैनाती एक ऐसे नेता के लिए ष्राजनीतिक वनवासष के समान थी, जिसने अपना पूरा जीवन हिंदी प्रदेश की राजनीति में बिताया हो। मृदुभाषी सिन्हा 2017 में यूपी के मुख्यमंत्री बनने से लगभग चूक गए थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में गाजीपुर सीट हारने के बाद, वे खुद को राजनीतिक वनवास में पाया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि अगर इस बार किस्मत ने सिन्हा पर मेहरबानी की, तो वे अगले पार्टी अध्यक्ष हो सकते हैं। सिन्हा इस पद के लिए फिट बैठते हैं – उनकी न केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में मजबूत जड़ें हैं, बल्कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों के वफादार भी हैं। इस तरह सिन्हा दोनों पक्षों को खुश कर सकते हैं। हालांकि, उनकी पदोन्नति से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को खतरा हो सकता है। यूपी के इन दोनों नेताओं के बीच तालमेल नहीं है। लेकिन कई लोगों को लगता है कि आदित्यनाथ को मात देने के लिए शाह को यही चाहिए। हाल ही में केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान जिस कार में यात्रा कर रहे थे, वह उनके निर्वाचन क्षेत्र हाजीपुर से बिहार के मोतिहारी तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रही थी। मार्ग पर ई–डिटेक्शन सिस्टम ने उनकी कार को वैध गति सीमा से अधिक गति से चलते हुए पकड़ लिया। वाहन के पंजीकरण नंबर को सौंपे गए मोबाइल नंबर पर तुरंत केंद्रीय मंत्री को चालान जारी किया गया। इस घटना ने स्वाभाविक रूप से हंगामा मचा दिया। कुछ अनुभवी राजनेताओं ने चुटकी ली कि ऐसा होना तय था। उनमें से एक ने तर्क दिया, "चिराग बहुत तेज चल रहे थे और भाग्यशाली थे कि उन्हें केवल 2,000 रुपये का जुर्माना देना पड़ा क्योंकि कई बार तेज गति से वाहन चलाने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं।" ऐसी तीखी टिप्पणियाँ हाल की घटनाओं से जुड़ी हो सकती हैं। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कई हालिया फैसलों की आलोचना करके पासवान ने सत्तारूढ़ गठबंधन में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था। जुर्माने के बारे में पूछे जाने पर, पासवान ने कहा, यह भुगतान किया जाएगा।ष तब से वे चुप हैं। उनकी चुप्पी का एक और कारण यह हो सकता है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में पूर्व के अलग हुए चाचा और लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) के नेता पशुपति कुमार पारस को दिल्ली में एक बैठक के लिए आमंत्रित किया था। तेजी से आगे बढ़ने के अपने जोखिम हैं, खासकर युवा राजनेताओं को यह महत्वपूर्ण सबक सीखना चाहिए। कानाफूसी अभियान विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के सीएम नीतीश कुमार ब्ड छपजपी ज्ञनउंत से उनके कार्यालय में मुलाकात करने के बाद बाहर आने पर अटकलें जंगल में आग की तरह फैल गईं। लोग बैठक के पीछे के कारणों की जांच करने के लिए दौड़ पड़े। बाद में पता चला कि दोनों नेताओं ने राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति पर चर्चा की। लेकिन यह राजनीतिक अफवाहों को शांत करने के लिए पर्याप्त नहीं था। कई राजनेताओं ने दावा किया कि 2022 में राज्य में जाति आधारित सर्वेक्षण को लेकर दोनों के बीच इसी तरह की बैठक हुई थी, जिसने उनके संबंधित दलों के लिए महागठबंधन सरकार बनाने के लिए एक साथ आने का रास्ता तैयार किया था। उन्होंने यह भी बताया कि कुमार आदतन कलाबाज हैं और उन्हें फिर से पाला बदलने की इच्छा हो रही होगी। अन्य लोगों ने अभी भी तर्क दिया कि 2025 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, सीएम, जो जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख भी हैं, अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल से हाथ मिलाने के बारे में सोच सकते हैं। दोनों दल राज्य चुनावों में एक साथ मिलकर एक मजबूत गठबंधन बनाते हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया कि पटना उच्च न्यायालय द्वारा आरक्षण कोटा बढ़ाने के लिए एक कानून को अलग रखने और जाति जनगणना के मुद्दे को जोर पकड़ने के साथ, दोनों दलों के लिए एक साथ आना आसान हो सकता है।

इसके अलावा, जेडी(यू) भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में अपनी हिस्सेदारी से खुश नहीं है। हालांकि कुमार ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने यह कहकर ऐसी अटकलों को शांत करने की कोशिश की कि वे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ बने रहेंगे, लेकिन लोग कुमार के आश्वासनों को सच मानने से बेहतर जानते हैं। उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी जानते हैं कि उन्हें बीजू जनता दल के अपने पूर्ववर्ती नवीन पटनायक के व्यक्तित्व के करीब पहुंचने में कई साल लग जाएंगे। लेकिन अपने सार्वजनिक व्यक्तित्व के प्रति हमेशा सचेत रहने वाले माझी पिछले कई दिनों से लोगों से मिल रहे हैं, या तो अपने कार्यालय में या दौरे के दौरान। जब उन्हें लगा कि राज्य के अन्य हिस्सों में ओडिशा उच्च न्यायालय की सर्किट अदालतें स्थापित करने की संभावना की कमी के बारे में उनका बयान एक बड़ा मुद्दा बन गया है, तो माझी तुरंत पीछे हट गए। शिक्षक दिवस पर, प्रेस ने शिक्षक से मुख्यमंत्री बनने तक के उनके सफर को चित्रित किया।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति को बड़ा बढ़ावा मिला

आदित्य

भारत और सिंगापुर ने गुरुवार को अपने संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए चार सहमति–पत्रों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सेमीकंडक्टर उद्योग में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन भी शामिल है, क्योंकि समृद्ध शहर–राज्य की कंपनियों ने अगले कुछ वर्षों में लगभग 60 बिलियन डॉलर का निवेश करने का संकल्प लिया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दक्षिण–पूर्व एशिया यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो भारत की एक्ट ईस्ट नीति को बल देती है। पीएम के दौरे पर विस्तार से चर्चा करने से पहले, आइए रणनीतिक गठबंधनों और साझेदारियों पर एक बार विचार करें। रणनीतिक गठबंधन एक ऐसी व्यवस्था को दर्शाता है, जिसके तहत दो या दो से अधिक देश आपसी चिंता के मुद्दों पर एक–दूसरे की सुरक्षा के साथ–साथ बचाव के लिए एक साथ आते हैं। यह औपचारिक या अनौपचारिक हो सकता है। रणनीतिक साझेदारी के मामले में, सुरक्षा चिंताओं को साझा करने के अलावा, सदस्य व्यापार, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए

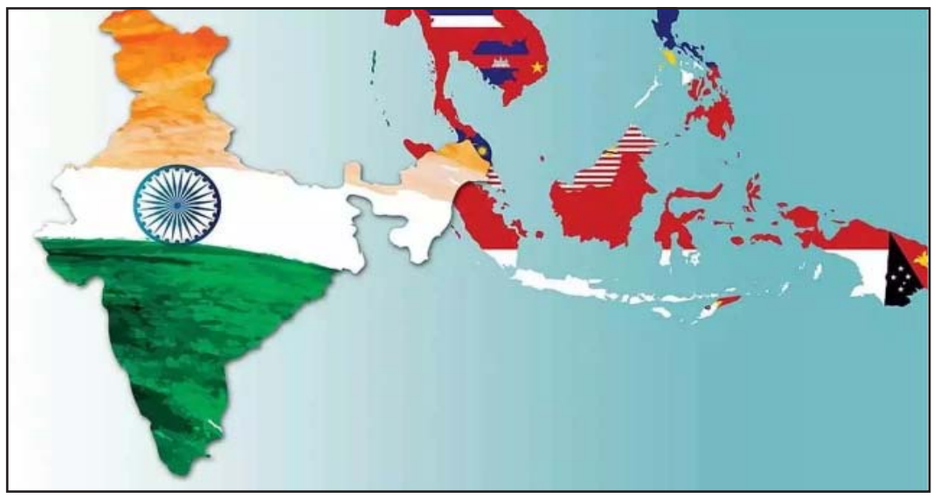

प्रतिबद्ध होकर अपनी मित्रता को व्यापक बनाते हैं। ऐसी व्यवस्था उनके बीच संबंधों को और गहरा करती है। यहाँ यह ध्यान देने योग्य है कि भारत ने अब तक रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, जापान सहित विभिन्न देशों के साथ दो दर्जन से अधिक रणनीतिक साझेदारियाँ की हैं। एक रणनीतिक साझेदारी मौजूदा ऐतिहासिक, पारंपरिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और दोनों के लिए चिंता के क्षेत्रीय या वैश्विक मुद्दों पर एक समान दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करती है। इस तरह के समझौते से आपसी विश्वास और द्विपक्षीय या बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की विशेष जिम्मेदारी पर जोर दिया जाता है। सिंगापुर एक छोटा राज्य है, फिर भी क्षेत्रीय राजनीति में एक बड़ा नाम है, जो कभी भी किसी वैश्विक शक्ति के प्रति विनम्र नहीं रहा है, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को पूरी तरह से बनाए रखता है। यह किसी भी विदेशी राज्य पर बहुत अधिक निर्भर हुए बिना अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। यह इसे भारत का स्वाभाविक सहयोगी बनाता है। दक्षिण पूर्व एशिया में एक संपन्न अर्थव्यवस्था वाला शहर–राज्य, भारत को अपने सेमीकंडक्टर क्षेत्र को विकसित करने में मदद करने के लिए सहमत हुआ, जिससे नवोदित भारतीय उद्योग में उम्मीदें जगी हैं। सिंगापुर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में एक अग्रणी राष्ट्र है जो नए युग में भारत की अर्थव्यवस्था के विकास को और गति देने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत सिंगापुर में भी चौतरफा विकास की उम्मीद करता है, मोदी ने यहां तक घ्घ्कहा कि भारत देश के भीतर कई शसिंगापुरश बनाना चाहता है। भारत कौशल, डिजिटलीकरण, गतिशीलता, उन्नत विनिर्माण, अर्धचालक और एआई, स्वास्थ्य सेवा, स्थिरता और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से बहुत लाभ उठा सकता है। पिछले 10 वर्षों में, द्विपक्षीय व्यापार दोगुना से अधिक हो गया है और आपसी निवेश 150 बिलियन डॉलर को पार कर गया है। संबंधों का रणनीतिक पहलू तब सामने आया जब दोनों नेताओं ने इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई, खासकर दक्षिण चीन सागर में नेविगेशन और उसके ऊपर उड़ान भरने की स्वतंत्रता के लिए, जिस पर चीन अपना दावा करता है। ब्रूनेई एक और दक्षिण पूर्व एशियाई देश है जो क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के मुद्दों पर भारत के साथ सहमत है, और किसी भी व्यक्ति (चीन पढ़ें) द्वारा विस्तारवाद को समाप्त करने का आह्वान करता है। इन दोनों देशों का यह रुख भारत की एक्ट ईस्ट नीति को मजबूत करता है। तेल समृद्ध देश ब्रूनेई भारत के साथ रक्षा, अंतरिक्ष सहयोग के लिए भी उत्सुक है। क्षेत्र के अन्य देश, फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम, ब्रूनेई और ताइवान भी इसी पृष्ठ पर हैं। आसियान सदस्यों की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करके और रक्षा सहयोग की पेशकश करके, भारत सही मायने में चीन के प्रभाव का मुकाबला कर रहा है, जबकि सभी दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों का विस्तार कर रहा है। 2022 में, आसियान देशों के साथ भारत का व्यापार 110 बिलियन डॉलर से अधिक था। जबकि उनके पूर्ववर्तियों की लुक ईस्ट पॉलिसी ने आसियान देशों के साथ केवल आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया, मोदी सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में एशिया–प्रशांत में पड़ोस शामिल है और इसमें सुरक्षा सहयोग भी शामिल है।

काट-छांट और बदलाव की संस्कृति

विनोद

इंडियन प्रीमियर लीग का 2024 संस्करण टूर्नामेंट के इतिहास में एक विशेष रूप से गतिशील और घटनापूर्ण सीजन के रूप में उभरा, जो न केवल अपने ऑन–फील्ड क्रिकेट तमाशे के लिए बल्कि ऑफ–फील्ड विकास की एक श्रृंखला के लिए भी जाना जाता है। आईपीएल 2024 की सबसे खास कहानियों में से एक हार्दिक पांड्या से जुड़ी ट्रांसफर गाथा थी। यह ट्रांसफर एक उल्लेखनीय उदाहरण था, जहां पहली बार एक खिताब जीतने वाले कप्तान को आईपीएल फ्रैंचाइजी के बीच व्यापार किया गया, जिसने लीग के भीतर एक नई मिसाल कायम की। आईपीएल 2024 के दौरान एक और सुर्खियाँ बटोरने वाली घटना में एक निर्णायक हार के बाद एक आईपीएल टीम के मालिक और कप्तान के बीच सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ। मालिक द्वारा कप्तान को सार्वजनिक रूप से डांटना, जिसे वीडियो में कैद किया गया और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया, ने प्रशंसकों और टिप्पणीकारों से कड़ी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न कीं। ये घटनाएँ इस बात पर चिंतन को जन्म देती हैं कि क्या आईपीएल में सफलता के लिए प्रयासरत कॉर्पोरेट मालिकों द्वारा डाला जाने वाला तीव्र दबाव कभी–कभी टीम के सामंजस्य और प्रदर्शन को कमजोर कर सकता है। वे खिलाड़ियों की अपेक्षाओं और महत्वाकांक्षा और टीम की गतिशीलता की भलाई के बीच संतुलन के बारे में उचित प्रश्न उठाते हैं। 2024 आईपीएल टूर्नामेंट का सत्रहवाँ सत्र था। इन 17 सत्रों में, जिनमें से प्रत्येक में कम से कम आठ टीमें शामिल थीं, सिर्फ तीन टीमों ने 13 खिताब जीते हैं, जो कुल जीत का 76.5: है। खास तौर पर मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स का दबदबा है, जिन्होंने 58.8: बार खिताब जीता है। कुछ चुनिंदा टीमों के बीच सफलता का यह संकेंद्रण लीग में प्रतिस्पर्धात्मक असंतुलन को उजागर करता है, जिससे उनके निरंतर प्रभुत्व में योगदान देने वाले कारकों और क्या टीमों की संस्कृतियों ने उनके लगातार प्रदर्शन में कोई भूमिका निभाई है, के बारे में सवाल उठते हैं। ब्ज्ञ, जिसने 17 में से 15 आईपीएल सत्रों में भाग लिया है, ने पाँच बार चौंपियनशिप जीती है और 10 बार फाइनल में पहुँची है (किसी भी आईपीएल टीम द्वारा सबसे ज्यादा)। इसका जीत प्रतिशत 58: है। ब्ज्ञ की एक परिभाषित विशेषता उनका स्थिर प्रबंधन और नेतृत्व है, जो उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण रहा है। रणनीतिक रूप से मुख्य खिलाड़ियों को बनाए रखने, टीम केमिस्ट्री को बढ़ावा देने और अनुभवी प्रचारकों पर भरोसा करने के लिए जाना जाता है। इस दृष्टिकोण से लगातार परिणाम और कई आईपीएल खिताब मिले हैं। विशेष रूप से, ब्ज्ञ के पास अब तक केवल दो पूर्णकालिक कप्तान हैंरू एम.एस. धोनी (2008–2023) और रुतुराज गायकवाड़ (2024–वर्तमान)। जबकि रवींद्र जडेजा ने 2022 में कुछ समय के लिए कप्तानी संभाली, पीओके ने कुछ मैचों के बाद जल्दी ही धोनी को वापस कर दिया, यह पहचानते हुए कि यह बदलाव उतना प्रभावी नहीं था जितना कि अपेक्षित था। कोचों की बात करें तो, 2008–2009 में पीओके के लिए खेलने वाले स्टीफन फ्लेमिंग 2009 से टीम के मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे हैं। केपलर वेसल्स आईपीएल के उद्घाटन सत्र में ब्ज्ञ को कोचिंग देने वाले एकमात्र अन्य व्यक्ति थे। MI ने भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाया है, हालाँकि ब्ज्ञ एक सतत संस्कृति और दीर्घकालिक योजना को पोषित करने की रणनीति का पालन करके खुद को अलग करती है। स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, हमारे पास पंजाब किंग्स है, जिसे पहले किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से जाना जाता था। 17 आईपीएल सीजन में, वे केवल दो बार लीग चरण से आगे बढ़े हैं और 45: की जीत प्रतिशत रखते हैं। टीम ने महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तनों का अनुभव किया है, इसकी स्थापना के बाद से 11 अलग–अलग खिलाड़ियों (जिन्होंने 10 या अधिक मैचों के लिए टीम की कप्तानी की है) द्वारा कप्तानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त, उनके पास अब तक 10 अलग–अलग मुख्य कोच रहे हैं, जो अधिक सफल फ्रैंचाइजी की तुलना में स्थिरता की कमी को दर्शाता है। एक और उल्लेखनीय तुलना यह है कि च्ठज्ञै के लिए अब तक 150 खिलाड़ी खेले हैं, जबकि केवल 102 खिलाड़ियों ने ब्ज्ञ की जर्सी पहनी है। यह विसंगति च्ठज्ञै की दीर्घकालिक रणनीति की कमी और विजयी संयोजन की तलाश में अपने दल में बार–बार बदलाव को उजागर करती है। अधिकांश अन्य टीमें कहीं बीच में हैं, क्योंकि टूर्नामेंट में कुल 61 कप्तान देखे गए हैं। डेटा कप्तानों की संख्या और एक टीम के जीत प्रतिशत के बीच एक मजबूत नकारात्मक सहसंबंध (सहसंबंध गुणांक –0.785) का सुझाव देता है, जो दर्शाता है कि स्थिरता और दीर्घकालिक फोकस अल्पकालिक अपेक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से लगातार बदलावों की तुलना में बेहतर परिणाम देते हैं। ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख घरेलू ट्वेंटी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता बिग बैश लीग में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखने को मिलती है। इसकी आठ टीमों में से, पर्थ स्कॉर्चर्स ने पाँच खिताब हासिल किए हैं, जबकि सिडनी सिक्सर्स ने तीन जीते हैं, 13 टूर्नामेंट सीजन में से आठ में संयुक्त रूप से जीत हासिल की है और 61: का शानदार जीत प्रतिशत हासिल किया है। स्थिरता इन दोनों टीमों को बाकी टीमों से अलग करने वाला प्रमुख कारक प्रतीत होता है। मोइसेस हेनरिक्स 2013 से सिडनी सिक्सर्स के कप्तान बने हुए हैं, जो वर्षों से स्थिर नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए, एडम वोजेस ने 2014 से 2018 तक टीम की कप्तानी की, अपने कार्यकाल के दौरान दो बीबीएल खिताब जीते। कप्तान के रूप में पद छोड़ने के बाद, वोजेस ने कोच के रूप में योगदान देना जारी रखा। वोगेस के उत्तराधिकारी एश्टन टर्नर ने कप्तान के रूप में टीम को दो और खिताब दिलाए हैं।

पारस को संरक्षित करने का प्रयास करने वाले दो वास्तुकारों

संजय

कलकत्ता के कई हिस्सों में जीवन अभी भी उनके परास से शुरू और खत्म होता है। शायद यही वजह है कि अहमदाबाद के दो वास्तुकारों ने हाल ही में कलकत्ता के परास के विशिष्ट स्वाद को संरक्षित करने के लिए एक मजबूत मामला बनाया, जो कि एक सामान्य पिन कोड द्वारा एकजुट किए गए भू–स्थानिक स्थानों से कहीं अधिक है। परास सीमांत स्थान हैं जो न तो पूरी तरह से भावनात्मक इकाइयाँ हैं और न ही सख्ती से प्रशासनिक श्रेणियाँ, न ही पूरी तरह से सार्वजनिक और न ही पूरी तरह से निजी डोमेन। वे सामाजिक बंधनों की पीठ पर बढ़ते और टिके रहते हैं जो अपनेपन के क्षेत्र बनाते हैं। शहरी सेटिंग्स में, जो परंपरागत रूप से गुमनामी, साथ ही प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिवाद से जुड़ी हुई हैं, परा और उसके भीतर मानवीय समीकरण अद्वितीय हैं। परा के कई अनुष्ठान – बालकनियों में बातचीत, सड़क के कोने या किराने की दुकान पर गपशप करना, चाय की दुकान पर दोस्ताना, जोशीले तर्क, क्लबों, पार्कों, धार्मिक स्थानों आदि पर सभाएँ – अनौपचारिक, अक्सर अंतर–पीढ़ीगत, रिश्तेदारी बनाने और बनाए रखने के साधन हैं। यह सब सुखद लग सकता है लेकिन परा की सामाजिक–स्थानिक इकाई शायद ही कभी मनमाने ढंग से उभरती है। कौन कहाँ रहता है और कौन किसका पड़ोसी है, ये सामाजिक स्वीकृति के महत्वपूर्ण उपकरण हैं। उदाहरण के लिए, कलकत्ता के 'मुसलमान पारस' को ही लें। ऐसी बस्तियों जैसी जगहों का निर्माण जहाँ मुसलमान 'सुरक्षित' महसूस कर सकें – या क्या यह है कि शहर दूसरों के इस तरह के स्थानिक हाशिए पर होने के कारण सुरक्षित महसूस करता है? – उन्हें शहरी जीवन और जीवन के ब्रह्मांड का अभिन्न अंग होने से वंचित करता है। ऐतिहासिक रूप से भी, पारस वर्ग (बोनेडी पारा), जाति (बैद्य पारा), लिंग (बैजी पारा) और व्यावसायिक (कंसारी पारा) पहचानों के इर्द–गिर्द एकत्रित हुए हैं। इस प्रकार, पारस द्वारा उत्पन्न समुदाय के सार की कल्पना बिना स्तरीकरण के नहीं की जानी चाहिए। पहचान को बनाए रखने और संरक्षणवाद और सम्मान को बढ़ावा देने की परिणामी चिंता – जैसे कि पड़ोस की महिलाओं की – भी निगरानी की सूक्ष्म संस्कृतियों को पारस प्रदान करती है। यह पारस की यह व्यापक प्रकृति ही है जिसके कारण पूर्ववर्ती वाम मोर्चा सरकार ने कलकत्ता के पड़ोस में नागरिक समितियों का गठन किया जो राज्य की आँख और कान के रूप में काम करती थीं। वर्तमान कलकत्ता ने भी राजनीतिक जिन्न को दफन नहीं किया हैरू यह वर्तमान शासन द्वारा पैरा क्लबों या पैरा पूजाओं के वित्तीय और अन्य संरक्षण के माध्यम से कहावत की बोतल से बाहर निकलता है। बेशक, पैरा अपरिवर्तनीय नहीं है। वास्तव में, शहर के बड़े हिस्से में, पैरा उभरते हुए गेटेड समुदायों के खिलाफ एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहा है। लेकिन पैरा कुछ भी नहीं बल्कि लचीला है, यहां तक घ्कि चालाक भीरू गेटेड समुदाय भी पैरा के सूक्ष्म जगत बन गए हैं। यह कभी–कभार होने वाली बातचीत, निवासियों के बीच साजिश के खेल, आवासीय कल्याण संघों के हुक्म जो झुंड पर बाध्यकारी होते हैं, निवासियों के पदानुक्रम के भीतर सत्ता के खेल, आवासीय सीमाओं के भीतर निगरानी के मजबूत तंत्र आदि जैसे लक्षणों के माध्यम से प्रकट होता है। तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि श्विचलितश निवासी – एकल महिलाएं, कट्टरपंथी, विद्रोही प्रवृत्ति वाले लोग, और धार्मिक या यौन अल्पसंख्यक – अक्सर खुद को ऐसे आवासों में आग की रेखा में पाते हैं। समुदाय, भाईचारे और सुरक्षा की भावना को दोहराने के बजाय, जो कि पारा संस्कृति की खासियत थी।

बलात्कार पीड़ितों की कोई परवाह करता

ललित

पूरे भारत में पुलिस को बलात्कार के लगभग 32,000 मामले दर्ज किए गए। लेकिन इसके अलावा, पिछले वर्षों के 13,000 से ज्यादा मामले लंबित थे, जो कुल मिलाकर 45,000 मामले थे जिन्हें पुलिस को संभालना था। और इस पर विचार करेंरू 10 में से सात मामलों में, बलात्कारी सजा से बच जाते हैं। ऐसा कैसे? सिर्फ इसलिए क्योंकि हमारे पास इतनी जेल नहीं है कि हम उन बलात्कारियों की चौंका देने वाली संख्या को समायोजित कर सकें जो असहाय महिलाओं पर हमला करते हैं। बलात्कारी भारत के आवारा कुत्तों की तरह हैंरू उन्हें गिनना या नियंत्रित करना असंभव है। समाज के लिए एक खतरे के रूप में देखा जाता है और कमजोर लोगों के लिए खतरा है, जिस पर वे झपटते हैं, वे बेलगाम और आजाद घूमते हैं। रिपोर्ट न किए गए बलात्कारों के आँकड़े गणना से परे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अपराधी अपराध से बच निकलते हैं क्योंकि हमारे काम के बोझ से दबी पुलिस के पास पूरी जाँच के लिए जरूरी समय नहीं होता। बलात्कार के मामलों में सजा की दर निराशाजनक 27.4 प्रतिशत है। चौंक गए? मैं चौंका नहीं। बदसूरत सच्चाई यह है कि हमारे विकृत समाज में बलात्कार को ष्गंभीरष अपराध नहीं माना जाता है। कोई भी वास्तव में परवाह नहीं करता है, कोई भी परेशान नहीं होता है। बलात्कार होता है, हम कंधे उचकाते हैं। और अगली कहानी पर चले जाते हैं। बलात्कार सिर्फ एक और चार अक्षरों का शब्द है। दीदी अचानक बलात्कार की गंभीरता को समझ गई हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किए गए कड़े बलात्कार विरोधी विधेयक पर बहुत हंगामा हुआ है, जिसमें बलात्कारियों के लिए मृत्युदंड का प्रस्ताव है। कोई आधा उपाय नहीं। सीधी मौत। अपराजिता महिला और बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक 2024 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं को बदलना चाहता है। विधेयक में पीड़िता की पहचान का खुलासा करने पर 3–5 साल की कैद की भी सिफारिश की गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के आलोचकों ने उन पर राजनीतिक लाभ उठाने और सुर्खियाँ बटोरने के लिए आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की त्रासदी का फायदा उठाने का आरोप लगाया। यह एक भद्दा, गलत प्रयास है, जो बड़ी गड़बड़ करने के बाद अच्छे इरादों को प्रदर्शित करता है। दुर्भाग्य से दीदी के लिए, नवीनतम स्टंट उल्टा पड़ गया है और एक जोरदार, नाटकीय कृत्य के रूप में सामने आया है, जिसने बलात्कार–हत्या कांड पर और अधिक सवाल खड़े कर दिए हैं, बिना मुद्दों को संबोधित किए। क्या जल्द ही कुछ बदलने की संभावना है? क्या विधेयक के पारित होने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करके उनके जीवन में बदलाव आएगा? निश्चित रूप से नहीं! यह एक दिखावा है, और बकवास है, जिसने किसी को भी मूर्ख नहीं बनाया है। जब तक पुलिस की उदासीनता और कार्यस्थल पर भयावह स्थिति बनी रहेगी, तब तक यह विधेयक बेकार का कागज का टुकड़ा रहेगा। एक फुटनोट, जिसे नजरअंदाज करना ही बेहतर है। यह शोध करने लायक हो सकता है कि पूर्वोत्तर में महिलाएँ अपेक्षाकृत बेहतर क्यों हैं, जहाँ राष्ट्रीय औसत की तुलना में यौन अपराधों की दर कम है। क्या समाज में उनका अधिक महत्व है? बेहतर सम्मान? क्या पूर्वोत्तर के पुरुषों की मानसिकता दिल्ली के अपने समकक्षों से काफी अलग है? दिल्ली इतनी घिनौनी प्रतिष्ठा के साथ क्यों फंसी हुई है? दिल्ली में 700 महिलाओं पर एक घिनौनी घटना क्यों होती है – जो देश में सबसे ज्यादा है? अगर भारत की राजधानी इस उपलब्धि के बारे में घमंड कर सकती है, तो क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि देश के बाकी हिस्से में ष्बलात्कार संस्कृतिष की निंदा क्यों की जाती है और परिवार अपनी बेटियों को ऐसे खघ्तरनाक शहर में नौकरी करने की इजाजत देने से क्यों कतराते हैं? लेकिन मुंबई, अपनी तमाम खूबियों के बावजूद, भारत में सबसे सुरक्षित महानगर होने की धारणा के बावजूद ज्यादा बेहतर नहीं है। यह बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है! लाखों महिला मुंबईकर रोजाना काम पर जाते समय हमले का जोखिम उठाती हैं, लगातार अपने कंधों पर नजर रखती हैं। ज्यादातर पुलिस थानों में भयावह रूप से कम कर्मचारी हैं और ड्यूटी पर मौजूद हवलदार मुश्किल से तब नजर उठाते हैं जब कोई महिला बलात्कार की शिकायत दर्ज कराने के लिए आती है। उसके साथ एक उपद्रवी की तरह व्यवहार किया जाता है जो उनका कीमती समय बर्बाद कर रही है और उन्हें ज्यादा महत्वपूर्ण मामलों से दूर रख रही है। कोलकाता बलात्कार और हत्या मामले को लेकर हो रहे शोर के साथ, चुनिंदा आक्रोश अन्य बलात्कार पीड़ितों द्वारा सामना किए जाने वाले वर्ग भेदभाव को भी रेखांकित करता है, जैसे कि दो दलित किशोर जो यूपी के फर्रुखाबाद जिले में एक पेड़ से लटके पाए गए थे। अधिकारियों ने दावा किया कि परिवार के विरोध के बाद "बलात्कार की संभावना को खारिज करने" के लिए स्वाब परीक्षण के लिए भेजे गए थे। बलात्कार की पुष्टि करने के लिए "स्वैब परीक्षण" कब से निर्णायक परीक्षण बन गया है? मैं आने वाले त्यौहारों के मौसम की शुरुआत करते हुए साझा करने लायक कुछ खुशनुमा खबरें खोजने के लिए अपना सिर खुजला रहा हूँ। मैं हैरान हूँ! मैं मालवन में राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची स्टील की मूर्ति के गिरने से जुड़ी सभी कहानियों की बेतुकी बातों को समझ नहीं पा रहा हूँ। योद्धा राजा की प्रभावशाली मूर्ति का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया था। नौ महीने बाद, तेज हवाओं के कारण विशाल मूर्ति अपने आधार से गिर गई। और जब प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों ने आरोप–प्रत्यारोप का खेल शुरू किया तो सब कुछ बिगड़ गया। इस बीच, भयभीत मूर्तिकार गायब हो गया।

मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति द्वारा पीएम कौशल विकास योजना के तहत छात्र-छात्राओं को किया गया टूल किट वितरण

अयोध्या। विकास खण्ड तारुन में स्थित मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति,जाना बाजार में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त छात्र–छात्राओं को टूल

किट का वितरण रंगारंग कार्यक्रम के बीच सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आये गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।इस कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने मां सरस्वती के लिए चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया।इस मौके पर समिति के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, सत्य श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य कुशल सिन्हा व जे पी यादव विद्यालय प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्य जे.पी. तिवारी भी उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान अभय सिंह ने छात्र–छात्राओं को टूल किट प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कौशल विकास योजना छात्रों को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि छात्र ही राष्ट्र निर्माता के भविष्य है।उन्होंने कहा कि एक शिक्षक ही छात्र को सही दिशा की ओर ले जाता है।उन्होंने कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव के प्रबंधकीय प्रयासों की भी सराहना की गई।उनके नेतृत्व और समर्पण के चलते ही यह कार्यक्रम सफल हो सका।सत्य श्रीवास्तव ने भी विद्यालय परिवार की ओर से उनका विशेष धन्यवाद व्यक्त किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य कौशल किशोर सिन्हा ने भी नव प्रशिक्षित छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें टूल किट प्रदान किए।इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक अभय सिंह ने अंकित वर्मा चेतन यादव कशिश नीतू सिंह सविता यादव तनु कुणाल रिमझिम सत्यम पाल सनी सिंह वैभव शर्मा विवेक राधिका सुम्मरिता प्रशांत मिश्रा शशांक पारुल मनीषा आरती गुड्डू रिशु भारती आदि को टूल किट को प्रदान किया।इस मौके पर प्रशिक्षक सारिका श्रीवास्तव, शिक्षक संतोष यादव प्रमोद यादव गुड्डू रितेश शुक्ला शालिनी श्रीवास्तव शिवानी पांडे आरजू पांडे वैभव सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनन्या जायसवाल व मेहमानों का स्वागत स्कूल के छात्र–छात्राएं अदिति, अर्पिता, आदि ने टीका लगाकर किया।

स्व. राजा जौनपुर यादवेंद्र दत्त दूबे की 25वी पुण्य तिथि मनायी गयी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजा श्री कृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर में आज स्व राजा जौनपुर की पचीसवी पुण्य तिथि मनाई गयी । महाविद्यालय के नव निर्वाचित प्रबंधक सत्यराम प्रजापति प्राचार्य डॉ शंभू राम ने दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया ।सभी शिक्षक एवम शिक्षणेतर कर्म चारियों ने राजा साहब की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महविद्यालय के प्रबंधक सत्यराम प्रजापति ने कहा कि स्व राजा साहब बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। कुशल राजनीतिज्ञ महादानी विद्यानुरागी, जानकार प्रखर राष्ट्रवादी विचार धारा के पोषक थे। स्वतंत्र भारत के इतिहास में भी राजा साहब का महत्व पूर्ण योगदान था। आप तीन बार विधायक एक बार सांसद व विधानसभा में नेता विरोधी दल भी रहे । महाविद्यालय की स्थापना करके आपने शिक्षा के क्षेत्र में महत्व पूर्ण योगदान दिया है । प्रबंधक जी ने कहा कि राजा साहब के व्यकित्त्व व कृतित्व का अनुसरण करते हुए महाविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाए यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शंभू राम ने कहा कि राजा साहब राजनीति के पुरोधा थे। राजनीति , समाज और शिक्षा के क्षेत्र में आपका अमूल्य योगदान रहा है । जिसे आज भी याद किया जाता है । आप विभिन्न विद्यायो के जानकर के साथ साथ ओजस्वी वक्ता भी थे । वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अवधेश द्विवेदी ने अपने संबोधन में राजा साहब के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व डा रजनीकांत दिवेदी डा गंगाधर शुक्ला डा मृत्युंजय मिश्र ने सस्वर मंगल पाठ किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज तिवारी ने किया।

मास कम्युनिकेशन एवं रेडियो विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) हरदोई में मास कम्युनिकेशन एवं रेडियो विषय पर कार्यशाला नेहरू डिग्री कॉलेज और रेडियो जागो 90.4 एफएम कम्युनिटी रेडियो के संयुक्त तत्तावधान में रेडियो जागो स्टूडियो पर आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरु रानी ने कहा कि आज युवकों में उनके विचारों को गति देने और करियर में नए–नए अवसर तलाशने के लिए इस तरीके की कार्यशाला करना बहुत सराहनीय कदम है। उन्होंने मास कम्युनिकेशन को जागरूकता से जोड़ते हुए कहा कि आज पर्यावरण के क्षेत्र में सभी को विशेष तौर पर नौजवानों को आगे आना चाहिए क्योंकि जलवायु परिवर्तन से सभी लोग परेशान हैं। उन्होंने रेडियो जागो के अध्यक्ष अभय शंकर गौड़ की तारीफ करते हुए कहा कि रेडियो जागो के एक कार्यक्रम में मैंने सुझाव दिया था उसके फल स्वरुप रेडियो जागो द्वारा हरदोई की नीलम नदी को पुनर्जीवित करने के लिए लोगों को जिस तरीके से संगीत, विचारों से जोड़ा गया, इससे पर्यावरण के प्रति लोगों में सकारात्मकता पैदा हुई और जिला प्रशासन ने नीलम नदी की खुदाई के कार्य को शुरू किया। यह मास कम्युनिकेशान का एक उदाहरण है। उन्होंने हरदोई के रेडियो जागो द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में

किए जा रहे जागरूकता के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा देश व समाज को जागरूक करने के लिए आज इस तरीके की कार्यशालाएं समय की आवश्यकता बन गई हैं। इस कार्यशाला में आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूर्व निदेशक डॉ महेंद्र पाठक और वरिष्ठ पत्रकार नवल कांत सिन्हा ने मास कम्युनिकेशन, रेडियो, प्रिंट और सोशल मीडिया के बारे में व्याख्यान दिया।

उद्घाटन हरदोई की मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने संयोजक नेहरू कॉलेज के प्राचार्य के के सिंह, आयोजक अभय शंकर गौड़, आकाशवाणी के पूर्व निदेशक डॉ महेन्द्र पाठक ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यशाला के संयोजक नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य के के सिंह और आर्य कन्या महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य तथा 100 से अधिक बालक और बालिकाएं तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे हैं। संचालन प्रोफेसर दीपक राय ने किया।

डाक्टर अशफाक के स्वास्थ्य में सुधार अस्पताल से हुए डिस्चार्ज

सुल्तानपुर । बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार के सुप्रसिद्ध डॉक्टर अशफाक की अचानक तबियत बिगड़ी जिससे ऑक्सीजन लेवल कम एवम बीपी बढ़ जाने के कारण परिजनों ने लखनऊ के मिडलैंड हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर महानगर लखनऊ के निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था जहां पर करोना काल के समय में चर्चा आने वाला बड़ा नाम डॉक्टर डीपी सिंह डॉक्टर के देखरेख में डॉक्टर अशफाक का इलाज चला जहां पर एक हफ्ता इलाज चलने के बाद स्वस्थ में सुधार हुआ जिससे कारण डॉक्टरों की टीम में अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जिनकी अब स्वास्थ्य में काफी सुधार है और वह अपने निवास पारा अ गए है आते ही करीबी रिश्तेदारो और आसपास के शुभचिंतकों की भीड़ लग गई जो अभी भी आने देखने वालो का दौर जारी है स्वस्थ हालत में लोगों से मुलाकात कर रहे हैं आपको बताते चलें कि डॉक्टर अशफाक इस क्षेत्र के पुराने डॉक्टर में से है जो काफी लोकप्रिय हैं आपकी क्लीनिक पारा बाजार के मंगल बाजार में स्थित है क्षेत्र के मरीजों का कहना है कि डॉक्टर की क्लीनिक पर कम पैसे में अच्छा इलाज उपलब्ध होता है और आपकी बातचीत और व्यवहार हर एक को भाता है डॉक्टर अशफाक के नेचर में कम बोलना धीमा बोलना पशु पक्षियों और पेड़ पौधों से अधिक लगाव है और क्षेत्र के सामाजिक कार्यों में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते रहते हैं इसीलिए की इनकी स्वस्थ होने की दुआएं करते हुए कई लोगों से सुनी गई और स्वस्थ होकर वापस आवास पर आते ही बड़ी भीड़ सी लग गई इसी से समाज में लोगों की अच्छाई और बुराई का अंदाजा लगाया जा सकता है। डॉक्टर कुछ और रेस्ट के बाद अपने पुरानी रूटीन पर क्लीनिक पर बैठने लगेंगे। डॉक्टर के छोटे सुपुत्र उमर खान ने बताया कि पिताजी की स्वास्थ्य में काफी सुधार है।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति की आवश्यक बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आगामी दिनों में शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर की एक आवश्यक बैठक महासमिति के केंद्रीय कार्यालय नखास स्थित नव दुर्गा शिव मंदिर पर हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अनिल कुमार अस्थाना ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अध्यक्ष अनिल अस्थाना ने सभी पूजन समितियां से निवेदन किया है की आगामी 15 सितम्बर 2024 को आयोजित पुरस्कार वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। आगे उन्होंने कहा कि श्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा नगर के रिवर व्यू होटल पर विगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी पुरस्कार वितरण व भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 15 सितंबर 2024 को किया गया है जिसमें दुर्गा पूजा समितियां व अन्य सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाएगा। जिसको लेकर नवचनित अध्यक्ष मनीष देव ने विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राम प्रकाश यादव गणेश साहू राम रतन विश्वकर्मा रवि शर्मा विष्णु गुप्ता आशीष त्रिपाठी चंद्रशेखर गुप्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव आदि ने अपने विचार सदन में रखें। बैठक का सफल संचालन नव चयनित महासचिव मनीष गुप्ता ने किया। इस दौरान बैठक में गौरव श्रीवास्तव अमित गुप्ता संदीप जायसवाल राजन अग्रहरि शैलेंद्र मिश्रा आशीष रावत अभिषेक अग्रहरी अनित सिंह विवेक जायसवाल यश गुप्ता आदि महासमिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सभी के प्रति आभार महासचिव राहुल पाठक में व्यक्त किया।

मगेश यादव का हुआ फर्जी एनकाउंटर मामले की कराई जाए उच्च स्तरीय जांच - अजय राय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर जौनपुर के बक्सा थाना क्षेत्र अगरौरा गांव में सोमवार को पहुंचे कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जनपद सुल्तानपुर एनकाउंटर मामले में मारे गए मंगेश यादव के परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अजय राय ने एनकाउंटर को फर्जी बताया और कहा कि इसकी सही जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग किया है कि एनकाउंटर पूरी तरह से गलत है इसकी जांच जो परिवार के लोग चाहते हैं वैसे होनी चाहिए। योगी जी का साफ तौर पर कहना है की जो उनके साथ चलेगा वह जिंदा रहेगा। गोरखपुर में भी एक उपाध्याय परिवार के एक बेटे को मरवाया है। मंगेश अपने मां बाप का इकलौता बेटा था।योगी जी कह रहे हैं कि हमने डकैत को मारा है तो क्या डकैती करने वाला अपने घर पर सोएगा । यदि डकैत होता तो क्या घर मे छिपेगा। इसकी जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान जज से कराई जाए। जिससे मामला साफ हो और यही परिवार वालों की मांग भी है। यह पूरी तरह से हत्या की गई है। जो भी इनके खिलाफ खड़ा हो रहा है उसकी हत्या कराई जा रही है

इनको लगता है कि जो भी इनके खिलाफ खड़ा हो उसकी हत्या कर दो। जितने भी अपराधी हैं वह सब इस समय भारतीय जनता पार्टी के विधायक मंत्री बने हुए हैं। सरकार की तरफ से दबाव बनाकर अधिकारियों से काम करवाया जा रहा है।

जिस एसटीएफ के अधिकारी ने एनकाउंटर किया उसकी पत्नी को महिला आयोग का सदस्य बनाया गया है। सरकार पूरी तरीके से अपनी मनमानी चल रही है।परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है हमारे पार्टी द्वारा जो भी संभव मदद होगी कराई जाएगी।वही इस मामले में दो दिन पूर्व समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य लाल बिहारी यादव ने भी मंगेश यादव घर पहुंचकर परिजनों को शांत होना देते हुए इस पूरे मामले की जांच किया साथ ही उन्होंने भी योगी सरकार प्रारूप लगाया की सरकार जाति देखी लोगों को मार रही है इस सरकार में ज्यादातर यादव और मुस्लिम को निशाना बनाया जा रहा है जबकि क्षत्रिय वर्ग को दूर रखा गया है। मंगेश यादव एनकाउंटर ने पूरी तरह से और राजनीतिक रूप ले लिया है प्रमुख मायावती ने भी मंगेश यादव के एनकाउंटर को सही ठहराया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जातिवाद का भेदभाव करती है। भाजपा व सपा में कानून व्यवस्था को लेकर आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं तथा अपराध अपराधी के जाति के नाम पर जबरदस्ती की राजनीति की जा रही है जबकि इस मामले में यह दोनों चोर मौसेरे भाई जैसे हैं।

बांग्ला भाषा की कक्षाओं का शुभारंभ

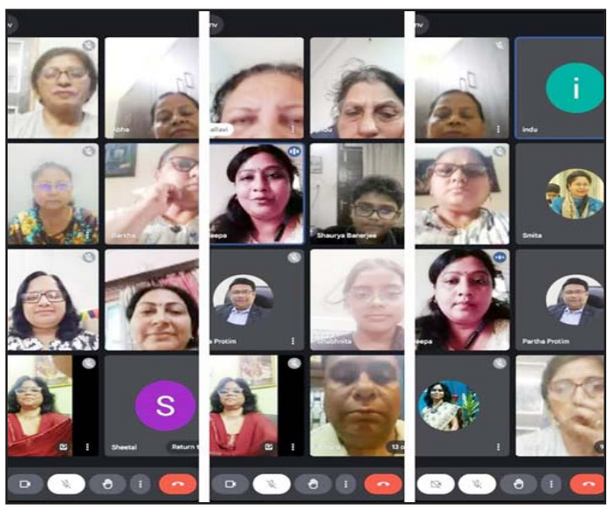

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बंगाली वेलफेयर सोसाइटी जिसको सभी श्बंगाली अड्डाश के नाम से भी जानते हैं, एक ऐसी संस्था है जो सामाजिक कार्यों के दिशा में नये नये पहल के लिए जानी जाती है। एक ऐसी ही पहल के अन्तर्गत संगठन ने रविवार दिनांक ०८ सितंबर, २०२४ की शुभ संध्या बेला में बांग्ला भाषा की कक्षाओं का श्रीगणेश किया। हफ्ते में दो बार यानी हर शनिवार और रविवार इन कक्षाओं को ऑनलाइन गूगल मीट पर संचालित किया जाएगारू प्रथम माह निशुल्क। श्रीमती मणिदीपा मुखर्जी, जो कॉल्विन तालुकदार कॉलेज की अध्यापिका हैं, लोगों को बांग्ला भाषा बोलना, पढ़ना एवं लिखने की कला सिखायेंगी। सभी बांग्ला भाषा प्रेमी, जिन्हें भाषा ज्ञान में वृद्धि करने में रुचि हैं,वे इन कक्षाओं में सम्मिलित होकर ज्ञानार्जन कर सकेंगे। कक्षाओं के उद्घाटन पर बंगाली अड्डा के अध्यक्ष श्री पार्थ प्रतीम गांगुली ने सभी का स्वागत किया और उन्हें बांग्ला भाषा में रुचि रखने के लिए उनकी सराहना की और कहा कि बंगाली एक अत्यंत मीठी और संगीतमय भाषा है और बांग्ला गीत संगीत ने अपने मिठास के दम पर पूरे विश्व में अपनी धाक जमाई है। उपाध्यक्ष प्रो. सीमा सरकार ने आभासी पटल पर शिक्षिका का परिचय देते हुए स्वागत किया स तदोपरांत सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया श्रीमती मनीदीपा मुखर्जी के आग्रह पर स चूँकि वे बंगाली अड्डा से जुड़ी हुई हैं और बांग्ला भाषा में परास्नातक हैं इसलिए बंगाली अड्डा के सभी इच्छुक सदस्यों को बांग्ला भाषा सिखाने के लिए राजी हो गयीं । रोचक तथ्य यह है कि इनमें जितने बंगाली समूह के लोग जुड़े हैं उतने ही गैर बांग्ला भाषी लोग भी जुड़े हैं। सभी बांग्ला सीखने के लिए इसलिए उत्साहित हैं ,क्योंकि वे सभी बांग्ला साहित्य और संगीत नृत्य का सही माइनों में आनंद उठाना चाहते हैं। बांग्ला भाषा की कक्षाओं का शुभारंभ श्री पार्थ प्रतीम गांगुली और प्रोफेसर सीमा सरकार के सक्रिय भागीदारी से सुचारू रूप से संचालित हुआ तथा आंतरिक कुमार मुखर्जी ने भी उत्साह से मीडिया प्रभारी का निर्वहन किया। सभी पाठन को लाभकारी बनाने के लिए सम्वाद कर रहे थे, इसलिए ये ऑनलाइन कक्षा एक परस्पर संवादात्मक शिक्षणसत्र के रूप में निखर के आया।

चेप्टर प्रेसीडेंट पंकज श्रीवास्तव व महासचिव शरद चंद्र श्रीवास्तव मनोनित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ समाज की राष्ट्रीय संस्था राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जयपुर उत्तर प्रदेश इकाई की कार्यकारणी की बैठक रविवार 8 सितंबर को जौनपुर के मंगलम लॉन मियापुर में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ संरक्षक श्री आनंद मोहन श्रीवास्तव ने की जिसमें राष्ट्रीय व प्रदेश के पदाधिकारी ने प्रतिनिधित्व किया। उक्त कार्यक्रम में जौनपुर चेप्टर की कार्यकारणी का गठन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष व महासचिव द्वारा भगवान चित्रगुप्त जी की फोटो पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करके किया गया। तदोपरांत संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश महा सचिव संजीव श्रीवास्तव ने संस्था के उद्देश्य और विस्तार के बारे में बताया, प्रदेश अध्यक्ष राकेश त्विकले माथुर ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र देकर सम्मानित किया चेप्टर प्रेसीडेंट पंकज श्रीवास्तव व महासचिव शरद चंद्र श्रीवास्तव ने सभी कार्यकारणी सदस्यों का परिचय कराया व संस्था को पूरे जनपद में सामाजिक कार्यों में अग्रणी करने का आश्वासन दिया। नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार श्रीवास्तव दादा,कोषाध्यक्ष अभय कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डा विजय श्रीवास्तव, नवीन कुमार श्रीवास्तव, संजय अस्थाना, आशीष श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी अखिलेश कुमार श्रीवास्तव,सचिव हिमांशु

अस्थाना, लोकेश श्रीवास्तव, महिला अध्यक्ष कल्पना श्रीवास्तव, को नियुक्ति पत्र सम्मान पत्र दिया गया संस्था के संरक्षक राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर इकाई में संरक्षक के रूप में आनन्द मोहन श्रीवास्तव , उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, ई.अमित कुमार श्रीवास्तव, हरिश चन्द्र श्रीवास्तव, एस.सी.लाल श्रीवास्तव, डा. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव प्रधानाचार्य, डा.संजय कुमार श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव,नीरज कुमार श्रीवास्तव, देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, राजन श्रीवास्तव, रघुवंश सहाय ने अपनी सहमति स्वीकृति प्रदान किया है सभी आदरणीय संरक्षक जनों का प्रदेश से आए पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह और माल्यार्पण से सम्मानित किया गया, सभी लोगों ने अपना आशीर्वाद पूरा सहयोग राष्ट्रीय कायस्थ महा परिषद जौनपुर की नई इकाई को दिया, कार्यक्रम में समाज के चौथे स्तम्भ कहे जाने वाले हमारे चित्रांश परिवार के सम्मानित पत्रकार बंधुओ सिराजे ीपदक.बवउ के राजेश कुमार श्रीवास्तव, संजय अस्थाना, दीपक श्रीवास्तव, देवेन्द्र खरे, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव,को भी अंग वस्त्र व माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया,प्रदेश पदाधिकारियों में प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव व विजय श्रीवास्तव जी ने भी कार्यकारणी मीटिंग में प्रतिनिधित्व किया, बैठक में मुख्य रूप से शशांक श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, श्रेयांश श्रीवास्तव सार्थक श्रीवास्तव रश्मि श्रीवास्तव अनेक चित्रांश बंधु उपस्थित रहे अंत में सभी प्रदेश पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र के द्वारा सम्मानित किया गया सभी का आभार व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ने कहा कि राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद का जो मुख्य उद्देश्य है पूरे भारत में अपने कायस्थ समाज की गणना, अपने जिले में पूरा करने का संकल्प लिया साथ ही अपने सभी पदाधिकारी से निवेदन किया कि वह सभी लोग व्हाट्सएप के माध्यम से, व घर–घर जाकर लोगों से संपर्क कर इस अभियान को तेजी प्रदान करें। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने किया।

एल.पी.सी. सहारा स्टेट्स में सी.आई.एस.सी. क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स द्वारा आयोजित यूपी और यूके (अंडर–17 और अंडर–19

लड़कों) के लिए सीआईएससी क्षेत्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट 5 से 8 सितंबर, 2024 तक होना है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि, डॉ. आनंदेश्वर पांडे, महासचिव, यूपी ओलंपिक एसोसिएशन और हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के विशिष्ट अतिथि डॉ. सैयद रफत जुबैर रिजवी, कोषाध्यक्ष, यू पी ओलंपिक एसोसिएशन और लखनऊ ओलंपिकएसोसिएशन के महासचिव , वर्तमान लोकसभा सदस्य (प्रतापगढ़ जिला) एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल्स और कॉलेजेस के संस्थापक एवम चेयरमैन डॉ. एस.पी. सिंह, उपनिदेशिका और लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स की प्रधानाचार्या मीना तांगरी, प्रधानाध्यापिका मनीषा कर्टिस, उप प्रधानाचार्य अमित कुमार त्रिवेदी, जोन समन्वयक और उत्साही खिलाड़ी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उपनिदेशिका एवं प्राचार्या ने अपने गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण के साथ गुलदस्ते भेंट करके प्रतिष्ठित अतिथियों का स्वागत एवम अभिनंदन किया । इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया और आसमान में रंग बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए । SGFI क्रिकेट खिलाड़ी खुशी यादव ने विभिन्न टीमों के सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई। विद्यालय के छात्रों ने शानदार संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों से अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री एवं अवध प्रांत के अध्यक्ष मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रखर वक्ता, मूर्धन्य लेखक और स्तंभकार और मेरे प्रेरणा स्रोत तथा अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद, उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष आदरणीय कैप्टन राघवेंद्र विक्रम भाई साहब के असामयिक निधन की सूचना पर मन बहुत व्यथित हुआ है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद– अवध प्रांत के सभी पूर्व सैनिक साथियों एवं उनके परिवारों की ओर से उनको भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित है। ईश्वर उनकी पवित्र आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और सभी परिजनों तथा हम सभी को इस दुख को सहने की क्षमता प्रदान करे।

डीएम ने प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार पर लगाई रोक

सुलतानपुर। डीएम कृतिका ज्योत्स्ना ने जिले के शिवगढ़ ग्राम प्रधान सूरज साहू के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार पर रोक लगा दिया गया है। ग्राम प्रधान शिवगढ़ के विरुद्ध तालाब व ग्राम सभा की भूमि पर कई वर्षों से अनाधिकृत तरीके से कब्जा सम्बन्धी शिकायती प्रार्थना पत्र देकर जांच कराने की मांग की गई थी,इसी क्रम में डीएम ने उपायुक्त श्रम रोजगार को जांच अधिकारी नामित करते हुए प्रकरण जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी। उपायुक्त श्रम रोजगार की जांच आख्या में तालाब गाटा संख्या 251 एवं नवीन परती की भूमि गाटा संख्या 2016 पर ग्राम प्रधान शिवगढ़ सूरज साहू द्वारा अवैध कब्जा किया जाना पाया गया। उक्त के संबंध में ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस भेज कर जवाब मांगा गया। कारण बताओ नोटिस में संतुष्ट जवाब नहीं मिलने पर डीएम कृतिका ज्योत्स्ना ने शिवगढ़ ग्राम प्रधान को अपने पदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन सुचारू रूप से न करने,तालाब खाते की भूमि एवं नवीन परती भूमि पर अनाधिकृत रूप से अवैध कब्जा करने व शासनादेशों एवं प्राविधानों का उल्लंघन करने आदि के आरोप में प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। जिसके कारण प्रधान का वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार को सीज करते हुए डीएम ने उक्त प्रकरण की अंतिम जांच मुख्य राजस्व अधिकारी को नामित करते हुए निर्देशित किया है कि प्रकरण की जांच कर स्पष्ट आख्या अभिलेखीय साक्ष्यों एवं संस्तुतियों सहित एक माह के भीतर डीपीआरओ कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

अयोध्या से प्रतापगढ़ तक बनेगी एक्सेस कन्ट्रोल के साथ नई 6–लेन सड़क – लल्लू सिंह

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि रामनगरी से प्रतापगढ़ तक ग्रीन फील्ड 6 लेन एक्सेस कन्ट्रोल हाईवे निर्माण के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकृत दे दी है।6 लेन की इस सड़क के निमार्ण हो जाने से अयोध्या से प्रयागराज के मध्य आवागमन में यात्रियों की सुविधाओं में विकास होगा। नई बनने वाली सड़क वर्तमान सड़क के समानान्तर बनाई जाएगी। वर्तमान में अयोध्या से प्रतापगढ़ टू–लेन तथा प्रतापगढ़ से प्रयागराज 4 लेन की सड़क से आवागमन होता है। अयोध्या–प्रयागराज मार्ग में पूर्व सांसद के प्रयासों से प्रतापगढ़–सुल्तानपुर 4–लेन की स्वीकृत हो चुका था। अयोध्या से प्रतापगढ़ मार्ग 4–लेन प्रस्तावित था। पूर्व सांसद के प्रयासों से अयोध्या से प्रतापगढ़ तक 6–लेन हाईवे की स्वीकृत प्राप्त हो गई है।नए 6–लेन हाईवे की स्वीकृत मिलने के बाद पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने संत–महंतों तथा अयोध्यावासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी का आभार व्यक्त किया है। पूर्व सांसद ने बताया कि अयोध्या प्रयागराज तथा बनारस धार्मिक तथा अध्यात्मिक महत्व के क्षेत्र है। देश विदेश से आने वाले श्रद्धालु तीनों स्थलों में दर्शन पूजन करना चाहते है। नए 6–लेन हाईवे के निर्माण हो जाने से अयोध्या–प्रयागराज के मध्य आवागमन आसान होगा। जिससे श्रद्धालु आसानी से अयोध्या से प्रयागराज जा सकेंगे।उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां आने वाले श्रृद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। एयरपोर्ट के निर्माण के बाद वायु मार्ग से अयोध्या पूरे देश से जुड़ गया है। रेलयत्रियों की सुविधा के लिए अयोध्या में अर्न्तराष्टीय स्तर के रेलवे स्टेशन का निर्माण हो चुका है। आसपास के स्टेशन का भी समुचित विकास कराया जा रहा है। नवीन 6 लेन की सड़क निर्माण से दर्शनार्थी सुविधा पूर्वक सड़क मार्ग द्वारा अयोध्या से प्रयागराज की यात्रा कर सकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

देह व्यापार में दो विदेशी युवतियां मिलीं दोषी

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में पुलिस ने क्षेत्र में कार्रवाई कर देह व्यापार के आरोप में दो विदेशी युवतियों को गिरफ्तार किया था। सीजेएम कोर्ट ने दोनों को दोषी पाया। उन्हें 5 साल 3 माह और 2 दिन का कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 11 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। दोनों बांग्लादेश की हैं। मामला जगदीशपुरा थाना का था। यहां एक युवती बांग्लादेश के जिला बोंगरा थाना सादनपुर क्षेत्र की और दूसरी थाना रोवली नौतनों क्षेत्र की है। जगदीशपुरा पुलिस को आवास विकास कॉलोनी में देह व्यापार होने की सूचना मिली थी। सूचना पर सीओ चमन छावड़ा ने 3 जून 2019 को टीम के साथ दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार किया था। 28 जुलाई 2019 को विवेचक ने अदालत में चार्जशीट पेश की थी। अब सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए भेजा गया 3.34 करोड़ का प्रस्ताव

उन्नाव, संवाददाता। पीडब्ल्यूडी ने सड़कों को गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। निर्माण खंड का सर्वे पूरा हो गया है, जबकि प्रांतीय खंड का अंतिम चरण में है। निर्माण खंड ने 257 किलोमीटर लंबी सड़क के गड्ढों को भरने के लिए 3.34 करोड़ का प्रस्ताव भेजा है। हर साल बारिश में सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। सड़कों में गहरे गड्ढे हो जाते हैं। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश थमने के बाद शासन से गड्ढों की मरम्मत के लिए बजट जारी किया जाता है। इस बार भी प्रदेश सरकार ने सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए पीडब्ल्यूडी से प्रस्ताव मांगा था। इसके लिए कुछ दिन पहले खस्ताहाल मार्गों का लोकनिर्माण विभाग ने सर्वे शुरू कराया था। निर्माण खंड का सर्वे पूरा हो गया है। जांच में 257 किलोमीटर में गड्ढे मिले हैं, जिनको भरने के लिए 3.34 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया गया है। एक्सईएन सुबोध कुमार ने बताया कि सर्वे कराकर प्रस्ताव तैयार करा लिया गया है। बारिश थमने का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद जैसे ही शासन से जाट मिलेगा, वैसे ही जल्द काम शुरू कराया जाएगा। उधर, प्रांतीय खंड का सर्वे अंतिम चरण में है। एक्सईएन हरदयाल अहिरवार ने बताया कि सर्वे का काम तेजी के साथ पूरा कराया जा रहा है। अगले चार–पांच दिन में काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद प्रस्ताव मुख्यालय भेजा जाएगा।

बहनोई के गांव में साले की तालाब में डूबकर मौत

उन्नाव, संवाददाता। घर के नजदीक स्थित तालाब में नहाते समय युवक गहरे पानी में डूब गया। इससे उसकी मौत हो गई। काफी देर तक जब युवक वापस घर नहीं आया तो परिजन मौके पर पहुंचे। तालाब के पानी से उसका शव बाहर निकाला। बिसंडा कस्बा निवासी कमलेश (26) पुत्र कन्हैया अतर्रा कोतवाली क्षेत्र के खम्हौरा गांव में पिछले एक महीने से अपनी बहन के घर में रहकर बहनोई मुन्ना के व्यवसाय में हाथ बटाता था। शनिवार दोपहर वह घर के नजदीक पर स्थित तालाब में नहाने के लिए गया। नहाते समय वह गहरे पानी में समा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। काफी देर तक वापस न आने पर बहनोई मुन्ना सहित अन्य परिजन तालाब में देखने के लिए गए तो शव पानी में उतरा रहा था। पानी से शव को बाहर निकालने के बाद उसे सीएचसी ले जाया गया, वहां पर भी चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

करंट लगने से युवक की मौत

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में घर की रंगाई–पुताई के बाद लोहे के गाटर पर रंग करने के दौरान अचानक गाटर ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया। करंट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक के मृत घोषित करने के बाद परिजन में चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। भोगांव थाना क्षेत्र के गांव भैंसरोली निवासी शिशुपाल सिंह (38) शटरिंग लगाने का काम करता था। रविवार को वह अपने घर में दरवाजों की रंगाई का कार्य कर रहा था। दरवाजे का काम पूरा होने के बाद वह घर के पीछे रखी शटरिंग में लगने वाले लोहे के गाटर को रंगने के लिए उठा कर ले आया। रंगाई करने के बाद वह गाटर को सूखने के लिए उठाकर कर सीधा रखने लगा। गाटर ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया। गाटर में प्रवाहित हुए तीव्र करंट की चपेट में आकर युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। युवक को अचेत पड़ा देख परिजन में अफरातफरी मच गई। युवक को परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजन में चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

किसान ने जहर खाकर जान दी

कानपुर, संवाददाता। डेढ़ बीघा से अधिक खेतों में बोई गई तिल की फसल खराब होने पर किसान परेशान हो गया। शुक्रवार की रात को उसने जहरीला पदार्थ खा लिया उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। नांदादेव गांव निवासी शिवभूषण सिंह (45) ने शुक्रवार की देर रात जहरीला पदार्थ खा लिया। उल्टियां हुईं तो परिजनों को जानकारी हो सकी। आनन–फानन में परिवार के लोग उसे जिला अस्पताल ले गए। वहां से उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर कानपुर के अस्पताल पहुंचे। वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। किसान की मौत हो जाने से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पहले की सरकारें अपराधियों को देती थी संरक्षण – भाजपा अध्यक्ष

बाराबंकी, संवाददाता। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा है कि पूर्व की सरकारें वोट बैंक के नाम पर अपराधियों को संरक्षण देती थीं लेकिन योगी सरकार अपराधियों की संलिप्तता मिलते ही उन पर कार्रवाई कर रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा कहीं दिखाई नहीं देगी।

भाजपा के सदस्यता अभियान की समीक्षा करने के साथ ही संघटनात्मक क्रियाकलापों को देखने रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी बाराबंकी पहुंचे। पूरा दिन वह बाराबंकी में ही रहेंगे। सुबह 11:00 बजे जैदपुर विधानसभा क्षेत्र के वैसपुर तिराहे के पास कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासी मुन्ना निगम के पुत्र दीपक निगम को अपने पास बुलाकर बातचीत की और उसका स्वागत करते हुए अपने साथ फोटो खिंचवाई। अब्दुल्लापुर के बूथ संख्या 237 पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से बातचीत की। प्रदेश अध्यक्ष ने अपनी मौजूदगी में गांव के करीब 100 लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया। ग्राम प्रधान राजेन्द्र प्रसाद के आवास पर बैठक भी की। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि लोकसभा चुनाव के समय राहुल और अखिलेश संविधान को खत्म करने का आरोप लगा रहे थे। जनता उनके झूठ को जान चुकी है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी सिद्धौर पहुंच गए यहां उन्होंने सभागार में कार्य कर्ताओं को संबोधित किया।

डेंगू अब तक छह लोगों में मार चुका है डंक

फिरोजाबाद, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सितंबर की शुरुआत के साथ डेंगू के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। प्राइवेट अस्पतालों में डेंगू का इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या अधिक है। मगर, सरकारी रिकार्ड के अनुसार इस सीजन में डेंगू छह लोगों को अपना डंक मार चुका है। अब संभलने की जरूरत है। सबसे खास बात है कि स्वास्थ्य विभाग एक भी डेंगू का मरीज नहीं खोज सका है। सिर्फ प्राइवेट पैथोलॉजी पर डेंगू पॉजिटिव आने पर स्वास्थ्य विभाग ने दोबारा सैंपल लेकर एलाइजा जांच कराई। इसमें डेंगू की पुष्टि हुई है। जिले में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। बीमारियों पर शिकंजा करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अब मरीजों के

अलावा उनके परिजनों की जांच करने का निर्णय लिया है। सीएमओ ने सभी अधीनस्थ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी तथा चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। सीएमओ ने डॉ. रामबदन राम ने सभी चिकित्सा अधीक्षकों एवं एमओआईसी को निर्देश दिए हैं कि वह अपने–अपने क्षेत्र में मरीजों की जांच के अलावा उनके परिजनों की जांच की जाए। ताकि इस तरह की बीमारियों पर शिकंजा का सजा सके। सभी सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जांच की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। एसीएमओ डा. पवन कुमार ने बताया कि इस सीजन में डेंगू के छह केस सामने आए हैं। लोगों को डेंगू से बचाव की सलाह देते हुए कहा कि बुखार आने पर सबसे जरूरी है कि बॉडी को हाइड्रेट रखें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, नारियल पानी और लिक्विड डाइट लें। अपनी मर्जी से कोई दवा नहीं खाएं। खासकर पेनकिलर खाने से नुकसान हो सकता है। प्लेटलेट्स काउंट को लेकर पैनिक होने की जरूरत नहीं है।

जलेसर रोड निवासी सुगंधा गुप्ता (29), मिट्ठूलाल धर्मशाला शिकोहाबाद निवासी 26 वर्षीय रोहित चौहान, नगला रामकृष्ण लाइनपार टूंडला में अभिषेक कुमार, सेंट्रल चौराहा निवासी 29 वर्षीय आर्ची गुप्ता, नगला मान सिंह निवासी 30 वर्षीय विजय और पैढ़त निवासी 35 वर्षीय सीमा।

मुठभेंड में गैंगस्टर को लगी गोली, दो गिरफ्तार

बाराबंकी, संवाददाता। थाना क्षेत्र बड़ुपुर में शनिवार रात करीब साढ़े 12 बजे पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से हुई फायरिंग में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो तमंचे, चोरी के जेवर व एक बाइक बरामद हुई हैं। घायल बदमाश पर 20 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। उस पर कई जिलों में 20 मुकदमें दर्ज हैं। शुक्रवार रात क्राइम ब्रांच की स्वाट, सर्विलांस व थाना बड़ुपुर की संयुक्त पुलिस टीम भगौली के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक से दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखे। रोकने का प्रयास करने पर दोनों बाइक मोड़ कर भागने लगे। पुलिस द्वारा पीछा करने पर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी गई। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि आत्मरक्षा में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस की गोली एक बदमाश के पैर में लगी। इससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने घेराबंदी कर घायल बदमाश और उसके साथी को दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि फायरिंग में घायल बदमाश सीतापुर जिले के तंबौर थाना क्षेत्र के सिसैया गांव का निवासी 26 वर्षीय रिंकू कोरी उर्फ विशाल है। उस पर प्रतापगढ़, सीतापुर व बाराबंकी जिले में 20 से अधिक आपराधिक मुकदमें पंजीकृत हैं।। वहीं पकड़ा गया बदमाश बाबू उर्फ श्रीपाल भी सीतापुर जिले के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के असईपुर गांव का निवासी है। बाराबंकी के थाना मोहम्मदपुर खाला में दर्ज चार मामलों में भी पुलिस को उसकी तलाश थी। जिसे लेकर बाराबंकी एसपी ने रिंकू पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। पुलिस ने दावा किया कि पकड़े गए बदमाशों ने थाना घुंघटेर क्षेत्र में एक, थाना बड़ुपुर क्षेत्र में दो और मोहम्मदपुरखाला क्षेत्र चोरी की एक घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। रिंकू सीतापुर के रामपुर मथुरा थाने से गैंगस्टर के मामले में वांछित चल रहा था।

ट्रांसपोर्ट नगर हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार को तीन मंजिला इमारत गिरने आठ लोगों की मौत हो गई। मामले की जांच के लिए योगी सरकार ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता गृह विभाग के सचिव डॉ. संजीव गुप्ता करेंगे। उनके अलावा इस टीम में सदस्य के तौर पर बलकार सिंह, सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग और विजय कनौजिया, मुख्य अभियन्ता (मध्य क्षेत्र), लोक निर्माण विभाग शामिल हैं। टीम को जल्द से जल्द जांच पूरी कर रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने समिति के सदस्यों को प्रकरण की तह तक तहकीकात करने के निर्देश दिये हैं। बता दें कि गोरखपुर दौरे से लौटकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एयरपोर्ट से सीधे सरोजनीनगर हादसे में घायलों से मिलने लोकबंधु अस्पताल पहुंचे थे। वहीं अपने सरकारी आवास पर सरोजनीनगर हादसों को लेकर रविवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। इमारत गिरते ही तुरंत ही राहत और बचाव कार्य शुरू हो गया था। अब इस रेस्क्यू के कुछ फुटेज सामने आए हैं। इन फुटेज में देखा जा सकता है कि कैसे लोगों को मलबे के नीचे से निकाला जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, दमकल और पुलिस की टीमों ने इस राहत कार्य को अंजाम दिया।

तीन मंजिला इमारत गिरी

ट्रांसपोर्टनगर में शनिवार शाम बारिश के दौरान शहीद पथ किनारे स्थित एक तीन मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। हादसे में एक कारोबारी समेत आठ लोगों की मौत हो गई जबकि मलबे में दबे 24 लोगों को निकालकर राजधानी के अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें 3 लोगों की हालत गंभीर है, जिनका ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। मलबे में अभी कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, दमकल और पुलिस की टीमें राहत–बचाव कार्य में देर रात तक जुटी रहीं।

यूपी में तीन साल में एक करोड़ 61 लाख शिशुओं को लगाए टीके

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार सूबे में नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में प्रदेश में लगातार नियमित टीकाकरण का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पिछले तीन वर्षों में प्रदेश भर में शत प्रतिशत नियमित टीकाकरण के लिए 77,51,600 सत्र आयोजित किये गये, जिसमें 1,61,61,882 शिशुओं का पूर्ण टीकाकरण किया गया। यही वजह है कि प्रदेश में पिछले सात वर्षों में नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में काफी कमी दर्ज की गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हर साल जीरो से लेकर 16 साल तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के शत–प्रतिशत टीकाकरण के लिए लक्ष्य दिया जा रहा है ताकि कोई टीकाकरण से छूटा न रहे। इतना ही नहीं योगी सरकार द्वारा सौ फीसद नियमित टीकाकरण के लक्ष्य को पाने के लिए समय–समय पर नवाचार भी किए जा रहे हैं, 13 मार्च 2024 को लांच यूविन पोर्टल उसी का हिस्सा है।

वर्ष 2023–24 में 56 लाख से अधिक शिशुओं का किया गया टीकाकरण

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर सौ फीसद नियमित टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे प्रदेश में अभियान चलाकर टीकाकरण किया

जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वर्ष 2023–24 में नवजात शिशुओं से लेकर 16 साल तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिए 28,00,343 सत्र आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया, जिसके सापेक्ष 27,82,621 सत्र आयोजित किये गये। इसमें बच्चों 57,24,629 जीरो से लेकर 1 साल तक के बच्चों के टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं 66,94,603 के निर्धारित टीकाकरण के लक्ष्य के सापेक्ष 56,90,886 बच्चों और 56,50,317 गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया। इसी तरह वर्ष 2022–23 में 28,40,924 सत्र आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया, जिसके सापेक्ष 28,40,705 सत्र आयोजित किये गये। इसमें बच्चों 57,16,769 और गर्भवती महिलाओं 67,06,324 के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 56,24,809 बच्चों और 57,22,227 गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण किया गया।

एक करोड़ से अधिक शिशुओं को लगाया गया एमआर–1 और 2 का टीका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के महाप्रबंधक डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि योगी सरकार की ओर से वर्ष 2021–22 में नवजात शिशुओं से लेकर 16 साल तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिए 22,65,177 सत्र का लक्ष्य दिया गया जबकि 21,28,274 सत्र आयोजित किये गये। इनसें 56,91,189 जीरो से 1 साल तक के बच्चों को पूर्ण टीकाकरण एवं 68,44,888 गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण कर लक्ष्य रखा गया। इसके सापेक्ष 48,86,187 शिशुओं का पूर्ण टीकाकरण किया गया। वहीं 49,79,529 गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कोरोना महामारी की वजह से टीकाकरण में गिरावट आयी। इसी तरह वर्ष इसी तरह पिछले तीन साल में 1,62,36,990 शिशुओं को एमआर–1 का टीका लगाया गया। वहीं 1,48,81,368 शिशुओं को एमआर–2 का टीका लगाया गया। उन्होंने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए जिला चिकित्सालय एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार से शनिवार तक सुबह 8 बजे से 2 बजे तक टीकाकरण किया गया है जबकि सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मंगलवार से रविवार तक ओपीडी में टीकाकरण किया जाता है।

घोटाले के आरोपों में घिरा सीएमओ कार्यालय, जांच शुरू

अयोध्या, संवाददाता। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर विभिन्न टेंडरों व खरीद–फरोख्त में घोटाले के आरोप लगे हैं। इस संबंध में की गई रुदौली विधायक की शिकायत का शासन ने संज्ञान लिया है। शासन के निर्देश पर अपर निदेशक ने मामले की जांच शुरू की है। वहीं, शासन के इस एक्शन से स्वास्थ्य महकमे में खलबली है। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने शिकायती पत्र के साथ देवकी नंदन नामक एक व्यक्ति का शिकायती पत्र संलग्न किया है। पत्र में आरोप है कि सीएमओ कार्यालय में एंबुलेंस के टेंडर में 55 लाख के कार्य को बढ़ाकर 94 लाख रुपये किया गया है। इसमें सिंगल बिड की गई, जिस पर किसी भी अधिकारी ने अनुमोदन नहीं किया। जिलाधिकारी और उनके सदस्य वित्त व लेखाधिकारी को भी कमेटी से हटा दिया गया। इसके बाद एल–1 आई फर्म में 84 लाख को टेंडर न देकर 93 लाख की फर्म को टेंडर दिया गया। आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 में मेले में आई करोड़ों रुपये की धनराशि की जेम पोर्टल पर टेंडर किया गया, लेकिन बिना टेंडर पूरा किए ही फर्मों को सीधे अधिक रेट पर कार्य दे दिया गया। इस वित्तीय वर्ष में सभी टेंडर एक ही व्यक्ति की फर्मों को दिए गए। अधिकांशतरू एक ही संगठन/व्यक्ति की फर्मों को तकनीकी बिड में योग्य करके शेष फर्मों को अयोग्य कर दिया गया। फर्मों की तकनीकी बिडों की कॉपी निकालकर कमेटी के सदस्यों से हस्ताक्षर नहीं कराई जा रही है और तकनीकी चार्ट बनाकर सभी को हस्ताक्षर के लिए दी जा रही है। बाजार दर से उच्च दर पर सामान खरीदे जा रहे हैं।

दो पक्षों में विवाद, युवक को सरेराह जमकर पीटा

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में राठ कोतवाली क्षेत्र के काजीपुरा मोहल्ले में दो पक्षों में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में आधा दर्जन लोग युवक के साथ मारपीट कर रहे है। हालांकि वायरल वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है। रविवार को सोशल मीडिया पर बीच सड़क पर युवक के साथ हो रही जमकर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में आधा दर्जन लोग एक युवक के साथ मारपीट कर रहे है। वायरल वीडियो नगर के काजीपुरा पुलिया का बताया जा रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।